दी नेक्स्ट पोस्ट

साप्ताहिक

7 | 3 कूड़े से बनेगा चारकोल, वेस्ट मैनेजमेंट का रोल माडल बनेगा गोरखपुर | 5 लखनऊ में जलकर खाक हुई 150 झुग्गी–झोपड़ियां | 8 बुमराह बने विजडन क्रिकेटर आफ द ईयर

UPHIN51019 | वर्ष: 02, अंक: 44 | पृष्ठ संख्या: 8 | मूल्य: 1.00 रू. | सोमवार 28 अपैल, 2025

भारतीय सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी पहलगाम आतंकी हमले के बाद सुरक्षा स्थिति की समीक्षा करने के लिए श्रीनगर का दौरा करेंगे। इस दौरान उन्हें घाटी और एलओसी पर बल द्वारा उठाए गए आतंकवाद विरोधी उपायों के बारे में जानकारी दी जाएगी। 1 5 कोर कमांडर और राष्ट्रीय राइफल्स के अन्य गठन कमांडर भी इस दौरे में मौजूद रहेंगे।

नई दिल्ली । पहलगाम मामले में भारत सधी कूटनीतिक चाल चल रहा है। आतंकवाद पर अब भेदभाव वाले दृष्टिकोण का दौर खत्म हो चुका है। दुनिया का कोई भी देश आतंकी हमलों पर पहले की तरह चयनित दृष्टिकोण

अलग–थलग पड़ा पाकिस्तान, सधी कूटनीतिक चाल से पड़ोसी पस्तय मजबूत इस्लामी देश भी भारत के साथ

नहीं अपना सकता। ऐसे में पाकिस्तान को इस बार कड़ा संदेश देने के लिए भारत ने पूरी तैयारी कर ली है।

भारत–पाकिस्तान में तनाव चरम पर

आर्थिक मोर्चे पर पहले ही बुरी तरह से घिरा पाकिस्तान आतंकवाद के खिलाफ भारत की कार्रवाई के चलते अलग–थलग पड़ सकता है। पहलगाम में बर्बर आतंकी हमला मामले में अमेरिका, रूस, इस्राइल, ब्रिटेन, फ्रांस, जापान जैसे देश पहले ही भारत के रुख का समर्थन कर चुके हैं। वहीं मुस्लिम देशों में धमक रखने वाले सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात जैसे देश आर्थिक और कूटनीतिक कारणों से विश्व व्यवस्था (ग्लोबल ऑर्डर) में तेजी से हो रहे बदलाव के कारण भारत के ज्यादा करीब आए हैं।

पहलगाम मामले में भारत सधी कूटनीतिक चाल चल रहा है। एक सरकारी सूत्र ने कहा कि आतंकवाद पर अब भेदभाव वाले दृष्टिकोण का दौर खत्म हो चुका है। अब दुनिया का कोई भी देश आतंकी हमलों पर पहले की तरह चयनित दृष्टिकोण नहीं अपना सकता। फिर पहलगाम में आतंकियों ने सुरक्षाबलों की नहीं निर्दोष लोगों की बर्बर हत्या की है। ऐसे में भारत के पास जवाबी कार्रवाई का हक है। हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि भारत का रुख आतंकवाद के खिलाफ कार्रवाई करने का है, न कि किसी देश विशेष पर हमला करने का। विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने गुरुवार को जी–20 देशों के राजनयिकों को अपने इसी रुख से परिचित कराया, जिसे व्यापक समर्थन मिला है।

हाईस्कूल में भी गोरखपुर की बेटियों ने किया टाप

कुलसुम और अनन्या बनीं संयुक्त टापर

हाईस्कूल में जिले की टॉपर तीनों बेटियां क्रमशः कुलसुम, अनन्या और अन्या –

गोरखपुर। यूपी बोर्ड हाईस्कूल और इंटर के परीक्षा परिणामों में इस बार गोरखपुर की बेटियों ने जिले में टॉप किया है। इंटर मीडिएट में भी छात्र टॉप 10 में अव्वल स्थान पर रही। जबकि हाईस्कूल में छात्र और छात्रा ने संयुक्त रुप से पहले स्थानव पर अपनी जगह बनाई है।

कुलसुम फातिमा और अनन्या मोदनवाल ने यूपी बोर्ड की हाईस्कूल परीक्षा परिणामों में 94.83 प्रतिशत अंक के साथ जिला टॉप किया है। कुलसुम, सरस्वती विद्या मंदिर बालिका इंटर कॉलेज, आर्यनगर की और अनन्या, कमला सिंह गर्ल्स इंटर कॉलेज की छात्रा हैं।

दूसरे स्थान पर भारतीय इंटर कॉलेज तिहामुहम्मदपुर की अन्या जायसवाल 94.50, तीसरे पर 94.17 प्रतिशतअंक के साथ पीएसआईसी पटेल नगर भटहट और आरएस पब्लिक स्कूल काजीपुर हैं।

श्अगर ऐसा हुआ तो इसे युद्ध की... भारत के सख्त एक्शन से बौखलाया पाकिस्तानय शहबाज सरकार ने दी गीदड़ भभकी

भारत के पांच बड़े फैसलों ने पाकिस्तान को झकझोर कर रख दिया है। सिंधु जल संधि पर रोक लगाने के बाद पाकिस्तान ने युद्ध की धमकी दी है। नेशनल सिक्योरिटी कमेटी की बैठक में भारत के कदमों पर चर्चा हुई। पाकिस्तान ने वाघा बॉर्डर बंद कर दिया है और भारतीय एयरलाइंस के लिए एयरस्पेस बंद कर दिया है। भारत ने भी पाकिस्तानी नागरिकों के लिए वीजा प्रतिबंध लगा दिए हैं।

पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत ने पांच बड़े फैसले लिए हैं, जिससे पाकिस्तान बौखला उठा है। इसी बीच पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने आज नेशनल सिक्योरिटी कमेटी की बैठक बुलाई। इस बैठक में पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद पैदा हुई स्थिति पर चर्चा की गई।

चर्चा ये भी की गई कि भारत फिलहाल कौन से कदम उठा सकता है। बता दें कि भारत ने बुधवार को सिंधु जल संधि पर रोक लगा दी है। मोदी सरकार के इस फैसले के बाद पाकिस्तान ने गीगद भभकी देते हुए चेतावनी दी कि अगर भारत ने पाकिस्तान के हिस्से का पानी रोकने की कोशिश की तो इसे युद्ध की कार्यवाही मानी जाएगी। पाकिस्तान ने आरोप लगाया है कि सिंधु जल संधि को रोककर भारत ने अंतरराष्ट्रीय नियमों और न्छ प्रस्तावों का उल्लंघन किया है।

यूपी में नया निर्देश जारी, बिना परमिशन के नहीं कर सकेंगे ये काम, बोरवेल–ट्यूबवेल को लेकर नया नियम

बिना अनुमति शहरों में नहीं लगेंगे बोरवेल–ट्यूबवेल

राज्य ब्यूरो, लखनऊ। खुले पड़े बोरवेल व ट्यूबवेल में गिरकर मृत्यु होने आदि हादसों को रोकने के लिए अब अनुमति को अनिवार्य कर दिया गया है। शहरों में इनकी खोदाई से पहले निकायों से अनुमति लेनी होगी और इसके लिए 15 दिन पहले आवेदन करना जरूरी होगा। स्थानीय निकाय निदेशक डा. अनुज कुमार झा ने इस संबंध में निकायों को निर्देश भेजे हैं।

निर्देशों में कहा किया है कि खोदाई कराने वाली सभी सरकारी, अर्द्धसरकारी, निजी एजेंसियों को प्रशासन या अन्य प्राधिकृत अधिकारी के पास पंजीकरण कराना होगा।

निर्माण के समय बोरवेल व ट्यूबवेल के पास एक साइन बोर्ड लगाना होगा।

नाम व पता बोर्ड पर लिखना अनिवार्य

कुएं की खोदाई या मरम्मत के समय काम कराने वाली संस्था का पूरा नाम व पता बोर्ड पर लिखना अनिवार्य होगा।

दुर्घटना से बचाव के लिए कंटीले तारों की बाड़ या बैरियर लगाना होगा। बोरवेल के मुंह को स्टील प्लेट के मजबूत ढक्कन से बेल्डिंग या नट बोल्ट से बंद कराया जाएगा और उसके पास कंक्रीट का चबूतरा बनाना होगा।

पंप मरम्मत कराने के समय इसका मुंह खोलने के बाद बंद कर दिया जाएगा। काम पूरा हो जाने पर बोरवेल को मिट्टी, बालू, पत्थर आदि से नीचे भूमि की सतह तक भरना होगा। निकायों को निर्देश का कड़ाई से पालन कराने और उल्लंघन पर कार्रवाई करने को कहा गया है।

जम्मू–कश्मीर में बड़ा एक्शन

सेना के शिकंजे में आतंकियों के मददगार दो गिरफ्तार, नहीं बचेंगे पहलगाम के गुनहगार

जम्मू। पहलगाम हमले के बाद आतंकियों के खिलाफ एक्शन तेज हो गया है। आतंकियों के घरों को सुरक्षाबल बम से उड़ा रहे हैं। शोपियां, कुलगाम, पुलवामा में आतंकियों के घरों को निशाना बनाया गया है। वहीं, आतंकियों को पनाह देने वालों की तलाश में ताबड़तोड़ छापेमारी जारी है। सुरक्षाबलों ने आतंकियों के दो सहयोगियों को गिरफ्तार किया है। पहलगाम में आतंकी हमले के बाद सुरक्षाबलों ने शिकंजा कसना शुरू कर दिया है। आतंकियों के एनकाउंटर के बीच उन्हें पनाह देने वालों पर भी कार्रवाई की जा रही है। एएनआई से जुड़े सूत्रों के मुताबिक कुलगाम जिले के कैमोह इलाके के थोकरपोरा में सुरक्षा बलों ने आतंकवादियों के दो सहयोगियों को गिरफ्तार किया।

पाकिस्तान से आए इन कुत्तों को...

ओवैसी ने पहलगाम हमले पर उठाए ये दो सवाल, बताया कैसे मिलेगा इंसाफ

दिल्ली। पहलगाम आतंकी हमले पर प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने कड़ी निंदा की है। उन्होंने कहा कि इन आतंकियों के खात्मे से ही पीड़ित परिवारों को न्याय मिलेगा। ओवैसी ने पाकिस्तान से आए इन आतंकियों के सीमा पार करने पर भी सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि आतंकियों को पनाह देने वाले देशों के खिलाफ एकजुट होकर कार्रवाई करने की जरूरत है।

सम्पादकीय

पहलगाम हमला संशय के बादल

कश्मीर के सुप्रसिद्ध पर्यटन स्थल पहलगाम के बैसरन घाटी में मंगलवार को हुए आतंकी हमले में 27 लोगों की जान जाने का अफसोस पूरा देश मना रहा है कश्मीर के सुप्रसिद्ध पर्यटन स्थल पहलगाम के बैसरन घाटी में मंगलवार को हुए आतंकी हमले में 27 लोगों की जान जाने का अफसोस पूरा देश मना रहा है, तो वहीं इस दर्दनाक घटना को लेकर हिन्दू–मुस्लिम की नयी लहर दौड़ पड़ी है। दोपहर तकरीबन ढाई बजे कई आतंकियों द्वारा उस वक्त अंधाधुंध फायरिंग की गयी जब एक बेहद खुशगवार मौसम में भारत के अलग–अलग हिस्सों से आये सैलानी प्रकृति का लुत्फ ले रहे थे। इनमें नवविवाहित जोड़े, सपरिवार या मित्रों के साथ आये लोग थे। गर्मी की छुट्टियों में इस हसीन वादी में लाखों पर्यटक आने लगे हैं। 2019 में हुए पुलवामा हमले के बाद इसे सबसे बड़ा आतंकी हमला माना जा रहा है जिसने सरकार के इस दावे को चंद मिनटों में झुठला दिया कि 2016 की नोटबन्दी तथा 5 अगस्त, 2019 को जम्मू–कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाने के बाद यहां से आतंकवाद की समाप्ति हो गयी है।

कुछ दिनों पहले संसद में भी केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने दावा किया था कि पहले यानी कांग्रेस के शासनकाल में कश्मीर कोई जाता नहीं था क्योंकि वहां होने वाले हमले के खिलाफ तत्कालीन सरकार कोई कार्रवाई नहीं करती थी। शाह के दावे के अनुसार अब नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में चल रही भारतीय जनता पार्टी की सरकार की आतंक के प्रति जीरो टॉलरेंस की नीति से यहां सीमा पार से निर्देशित कार्रवाइयां ठहर गयी हैं। इतना ही नहीं, जिस प्रकार से इस घटना को लेकर भाजपा तथा उनके समर्थकों की ओर से विमर्श चलाया जा रहा है, वह बतला रहा है कि इस घटना का भाजपा राजनीतिक लाभ लेने की तैयारियां कर चुकी है। गहन संदेह व्यक्त किये जा रहे हैं कि वक्फ कानून को सुप्रीम कोर्ट में मिल रही चुनौती से भाजपा को ध्रुवीकरण के उसके जाने–पहचाने खेल में मात न मिल जाये, इसके लिये वह कश्मीर के इस हमले को अगले साल बिहार और फिर पश्चिम बंगाल में होने वाले विधानसभा चुनावों में वैसे ही भुनाएगी, जैसी वह पुलवामा हमले का लाभ 2019 के आम चुनाव में यह कहकर उठा चुकी है, कि श्क्या पहली बार के वोटर पुलवामा के शहीदों के नाम अपना मत भाजपा को देंगे?श कहा जाता है कि बालाकोट के साथ पुलवामा पर हुए हमले का असर मतदाताओं, खासकर युवाओं पर इस कदर पड़ा था कि भाजपा को अपने दम 303 सीटें मिल गयी थीं जो पूर्ण बहुमत के 272 से कई सीटें अधिक थीं। असलियत यह बताई जाती थी कि यदि यह मुद्दा भाजपा के हाथ न लगता तो उसे यह संख्या मिलनी मुमकिन नहीं थी।

याद हो कि पुलवामा हमले को लेकर आज भी संशय बना हुआ है कि राष्ट्रपति शासन के तहत रखे गये राज्य में इतनी बड़ी मात्रा में विस्फोटक (आरडीएक्स) कहां से आया था जिससे सेना के 40 जवान शहीद हो गये जो वाहनों में जा रहे थे। तत्कालीन जम्मू–कश्मीर राज्यपाल सत्यपाल मलिक ने देशबन्धु के चौनल डीबी लाइव पर यह खुलासा किया था कि यह बहुत बड़ी सुरक्षा चूक थी। श्रीनगर से वाहनों का इतना बड़ा काफिला बगैर रास्तों को सुरक्षित किये, जिसे तकनीकी शब्दावली में सेनिटाइज करना कहते हैं, कैसे ले जाया गया। उस वक्त प्रधानमंत्री जिम कार्बेट नेशनल पार्क (उत्तराखंड) के घने जंगलों में एक विदेशी फिल्म निर्माता के साथ शूटिंग में व्यस्त थे जिनसे सम्पर्क करना सम्भव नहीं हुआ था। शाम को जब मलिक ने मोदी से कहा कि सुरक्षा सम्बन्धी चूक है तो बकौल मलिक प्रधानमंत्री ने इसे अलग तरह का मामला बताते हुए खामोशी बरतने को कहा था। आज तक इस हमले की न तो ठीक से जांच हो सकी है और न ही हमलावरों की गिरफ्तारी तो दूर उनकी शिनाख्त तक हुई है।

बैसरन घाटी पर हमला इसलिये शंका उत्पन्न कर रहा है क्योंकि रिपोर्ट के मुताबिक उस वक्त वहां 2000 से अधिक पर्यटक मौजूद थे लेकिन उनकी सुरक्षा के लिये एक भी जवान तैनात नहीं था। इसके अलावा भी बहुत सी बातें हैं जो इस ओर इशारा करती हैं कि सरकार ही नहीं, उसका समर्थक मीडिया भी घटना को तोड़–मरोड़कर भाजपा के पक्ष में पेश कर रहा है। एक बड़े टीवी चौनल के श्रीनगर स्थित संवाददाता ने जैसे ही कहा कि श्सुरक्षा सम्बन्धी बड़ी चूक के चलते यह हादसा हुआ हैश, एंकर ने उसकी बात को काटकर यह बताना शुरू कर दिया कि गोली चालन में दो विदेशी नागरिक भी मारे गये हैं (जबकि यह बात पहले ही सामने आ चुकी थी)। इस बड़ी खुफिया व सुरक्षा नाकामी पर सरकार से सवाल करने की बजाय गोदी मीडिया मोदी के महिमा मंडन में लगा है।

बताया जा रहा है कि कैसे अब मोदी बड़ी कार्रवाई करेंगे, पाकिस्तान में भगदड़ मची है, आदि। शाह रात को श्रीनगर तथा बुधवार को घटना स्थल पर गये। सऊदी अरब का दौरा अधूरा छोड़कर मोदी लौट आये और उन्होंने दिल्ली हवाईअड्डे पर विदेश मंत्री एस. जयशंकर, सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल के साथ बैठक की। इस घटना पर इसलिये भी लोगों को संदेह है कि घटना के कुछ ही देर बाद छत्तीसगढ़ भाजपा ने एआई निर्मित एक पोस्टर जारी किया जिसमें एक महिला अपने पति के शव के पास बैठी है और लिखा गया है– जाति नहीं धर्म पूछा। यह संदेश दिया जा रहा है कि हिन्दू होने के नाते वे मारे गये। साथ ही विपक्ष द्वारा जातिगत जनगणना पर भी प्रहार किया गया है। देश भर में भाजपा समर्थकों ने एक तरह से इसे अभियान की तरह सोशल मीडिया पर वायरल किया है जो बतलाता है कि इतनी संवेदनशील घटना को भी भाजपा आपदा में अवसर की तरह इस्तेमाल करेगी ताकि यह सवाल किसी को सुनाई न दे कि सुरक्षा सम्बन्धी इस गम्भीर चूक का जिम्मेदार कौन है और क्या पुलवामा की ही तरह पहलगाम हमला रहस्य बनकर रह जायेगा?

ट्रंप पीछे हटे, भारत को अधिकतम लाभ उठाना चाहिए

यदि भारत अमेरिकी टीम को पूर्ण पैमाने पर व्यापार युद्ध के बजाय अमेरिका के साथ एक उचित व्यापार सौदा करने की अपनी वास्तविक इच्छा से अवगत कराने में सक्षम है, तो यह भारत–अमेरिका संबंधों के लिए नयी खिड़कियां खोलेगा। भारत ने टैरिफ पर शुरुआती बातचीत पहले ही शुरू कर दी है और कुछ हालिया रियायतें बदलाव की दिशा की ओर इशारा करती हैं। अमेरिकी उपराष्ट्रपति जे. डी. वांस की सोमवार से शुरू हो रही यात्रा भारत और अमेरिका के बीच संबंधों में एक सूक्ष्म बदलाव का संकेत देती है। ट्रंप के टैरिफ युद्ध को लेकर वैश्विक व्यापार में उथल–पुथल के बीच इस चार दिवसीय यात्रा में एक निजी छाप भी है। वांस को एक उग्र और थोड़े कठोर व्यक्ति के रूप में जाना जाता है। लेकिन एक दूसरा पक्ष भी है, उनका परिवार– उनकी पत्नी उषा भारतीय मूल की वकील हैं, जिन्हें अपने तेलुगू वंश पर गर्व है। उषा के माध्यम से, वांस भारतीय संस्कृति और इतिहास से बहुत परिचित हैं। महत्वपूर्ण बात यह कि अमेरिकी उपराष्ट्रपति ने सोमवार को अपने पहले कार्यक्रमों में से एक दिल्ली के अक्षरधाम मंदिर का दौरा किया, जिसके दौरान वांस परिवार के बच्चों ने भारतीय वेशभूषा पहनी थी और गले में माला पहन रखे थे। यह दूसरे परिवार के भारत के साथ व्यक्तिगत और सांस्कृतिक जुड़ाव को रेखांकित करता है, जिसे प्रदर्शित करने के लिए वे काफी आगे तक गये। दूसरा, भारत अमेरिका के लिए महत्वपूर्ण है, क्योंकि इस देश को एशिया और समग्र भू–राजनीति में चीन के बढ़ते प्रभाव के खिलाफ एक ढाल के रूप में देखा जाता है। अमेरिका चीन को आर्थिक रूप से और साथ ही, अमेरिकियों के मन में, वैश्विक रणनीतिक संतुलन में अपना कट्टर प्रतिद्वंद्वी मानता है।

यह ध्यान देने योग्य है कि चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग वर्तमान में दक्षिण पूर्व एशिया के विस्तारित दौरे पर हैं ताकि ऐसे देशों का एक नेटवर्क बनाया जा सके जो अमेरिका के साथ टकराव में चीन के साथ खड़े हो सकें। हाल तक, दक्षिण पूर्व एशियाई देश संयुक्त राज्य अमेरिका के लगभग ग्राहक देश थे।

अब चीन विशाल चीनी बाजारों में आकर्षक आवास और सड़कों और पुलों के निर्माण के लिए सहयोग के साथ उन्हें अमेरिका से दूर करने की कोशिश कर रहा है। चीन इन देशों को अमेरिका से कहीं अधिक विश्वसनीय सहयोगी के रूप में प्रभावित करने की कोशिश कर रहा है। इस अर्थ में, चीन अमेरिका को एशिया के साथ–साथ अन्य जगहों पर अपने पुराने मित्रों और सहयोगियों से अलग–थलग करने की कोशिश कर रहा है। ट्रंप के मनमौजी टैरिफ और धमकियों के बाद, अमेरिका पहले से ही वैश्विक मंच पर प्रमुख खिलाड़ियों से अलग–थलग पड़ गया है। ट्रम्प ने चीन के साथ–साथ यूरोपीय संघ को भी गहरी चोट पहुंचाई है, जो आर्थिक रूप से सबसे महत्वपूर्ण ब्लॉक हैं। साथ ही रणनीतिक कूटनीति और भू–राजनीति के मामले में भी यूरोपीय संघ को धक्का लगा है। दुनिया ट्रम्प के घमंड और अमेरिकी श्रेष्ठता के पैंतरों से नाराज है।

ट्रंप के मौजूदा दौर में वांस बेहद महत्वपूर्ण हैं और यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोडोमिर जेलेंस्की के साथ अमेरिकी दूरदर्शी डोनाल्ड ट्रम्प की कुख्यात बैठक के दौरान उनकी भूमिका देखी गयी। वांस डोनाल्ड ट्रम्प के कान हैं, भले ही ट्रम्प हमेशा अपने हिसाब से काम करते हैं। हाल ही में इटली की प्रधानमंत्री की यात्रा के दौरान उनके साथ बैठक में वांस प्रमुखता से बैठे थे।

इस प्रकार, भारत को अब इस बात का लाभ मिला है कि वांस इस कठिन समय में भारत के दृष्टिकोण को सुनेंगे, जब अमेरिका ने टैरिफ की बौछार के साथ प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं के खिलाफ आभासी युद्ध शुरू कर दिया है। भारत को तथाकथित पारस्परिक टैरिफ का भी सामना करना पड़ा है, जिसे अब अस्थायी रूप से नब्बे दिनों के लिए स्थगित कर दिया गया है। यदि भारत अमेरिकी टीम को पूर्ण पैमाने पर व्यापार युद्ध के बजाय अमेरिका के साथ एक उचित व्यापार सौदा करने की अपनी वास्तविक इच्छा से अवगत कराने में सक्षम है, तो यह भारत–अमेरिका संबंधों के लिए नयी खिड़कियां खोलेगा। भारत ने टैरिफ पर शुरुआती बातचीत पहले ही शुरू कर दी है और कुछ हालिया रियायतें बदलाव की दिशा की ओर इशारा करती हैं।

यह दुनिया के दो प्रमुख खिलाड़ियों – चीन और यूरोपीय संघ के रुख के बिल्कुल विपरीत है। लेकिन कोई गलतफहमी न पालें, क्योंकि जैसे ही ट्रम्प उनमें से किसी के साथ कुछ सौदे करने में सक्षम होंगे, उनके महत्व के कारण, वह उस पर कूद पड़ेंगे। वह इन खिलाड़ियों पर अपनी जीत के साथ आगे बढ़ेंगे और दुनिया को दिखायेंगे कि वह कितने महान सौदा–निर्माता हैं। अब तो और भी ज्यादा, क्योंकि एक तेज डील मेकर के रूप में उनकी छवि और यूक्रेन युद्ध को श्एक दिन मेंश समाप्त करने की उनकी क्षमता के बारे में उनके दावे सब उजागर हो चुके हैं। उन्होंने रूसी ताकतवर नेता पुतिन की चापलूसी की, लेकिन कोई फायदा नहीं हुआ और पुतिन ने अपनी चतुर कूटनीति से उन्हें अपने पक्ष में कर लिया। ट्रंप को एक मध्यस्थ और एक कर्ता के रूप में अपनी विश्वसनीयता को बहाल करने की सख्त जरूरत है। भारत जैसे बड़े देश के साथ व्यापार समझौता उनके लिए एक तरह का पंख साबित हो सकता है।

यह अब भारत के लिए संयुक्त राज्य अमेरिका के साथ एक अनुकूल डील की तलाश करने का एक शानदार अवसर है, जिसका मुद्रीकरण किया जाना चाहिए, इससे पहले कि डोनाल्ड ट्रंप की मजबूरियां दूसरों की ओर मुड़ जाएं। भारत को राष्ट्रीय हितों को ध्यान में रखते हुए सही कदम उठाने होंगे।

भेदभाव के खिलाफ

मोहन भागवत ने एक मंदिर, एक कुआं और एक मशान की अपील की है। यह अपील हिंदू समाज में जातिवाद की गहरी जड़ों को दर्शाती है। दलितों पर अत्याचार की घटनाएं सामने आती रहती हैं। राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग को हजारों शिकायतें मिली हैं। संघ समाज में विभाजन को खत्म करने की अपील करता है। संघ प्रमुख मोहन भागवत का एक मंदिर, एक कुआं और एक मशान की अपील करना बताता है कि हिंदू समाज में जाति का दंश अब भी कितना गहरा है। जातीय पहचान को सम्मान से जोड़कर देखा जाता है और इसकी वजह से बदलाव बहुत धीमा है। ऐसे में भागवत का बयान स्वागतयोग्य है।

दलितों पर अत्याचारः सामाजिक रूढ़ियों के अलावा राजनीतिक वजहों ने भी देश में जाति को कभी मरने नहीं दिया। यही वजह है कि आज भी दलित दूल्हे का घोड़ी चढ़कर जाना कई लोगों को रास नहीं आता। आगरा की एक घटना सामने है, जहां आरोप है कि दलित दूल्हे को पीटा गया। पिछले साल एमपी के दमोह में बग्घी पर बैठने पर दलित दूल्हे के साथ मारपीट की गई थी। यहां तक कि मंदिर भी भेदभाव से अछूते नहीं। पिछले ही महीने पश्चिम बंगाल के गिधाग्राम स्थित एक शिव मंदिर में दलित समुदाय को सदियों बाद प्रवेश मिला, तो तमाम लोग नाराज हो गए।

पहलगाम आतंकी हमले के सवाल पर भड़के शत्रुघ्न सिन्हा, तेवर देख उनपर बरस पड़े लोग

पहलगाम आतंकी हमलाः मुस्लिम होने पर शर्म... सलीम मर्चेंट हुए मायूस, कहा– वे हत्यारे आतंकवादी हैं

हजारों शिकायतेंः सबसे बड़ी समस्या है कि देश में जाति से जुड़े भेदभावों को एक बड़ा तबका अब भी गलत नहीं मानता। उसकी नजर में यह स्वाभाविक व्यवहार है। राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग ने पिछले साल अक्टूबर में एक आरटीआई के तहत पूछे गए सवाल के जवाब में बताया था कि चार साल के भीतर उसके पास 47 हजार से ज्यादा शिकायतें दर्ज हुईं। इनमें दलितों के खिलाफ अत्याचार, भूमि विवाद और सरकारी नौकरियों से संबंधित मुद्दे प्रमुख रहे।

सकारात्मक पहलः इस तरह की घटनाएं जाहिर करती हैं कि समरसता का सपना अभी दूर है। इन हालात में अगर संघ, समाज में गहरे पैठ बना चुके विभाजन को खत्म करने की अपील और सामूहिक पहचान पर जोर देता है तो इसे सकारात्मक रूप में लेना चाहिए। संघ प्रमुख ने त्योहारों को साथ मिलकर मनाने और सभी को अपने घरों पर आमंत्रित करने के लिए कहा है। पर्व–त्योहार वैसे भी लोगों को करीब लाते हैं। इन मौकों का इस्तेमाल भेदभाव के खिलाफ किया जाए, तो परिवर्तन आ सकता है।

सामूहिक प्रयास की जरूरतः भागवत ने कहा है कि शांति और समृद्धि के मामले में दुनिया भारत की तरफ देख रही है। स्वयंसेवकों को हर घर में एकता और भाईचारे की भावना जगाने के लिए खुद को तैयार करना चाहिए। समाज खुद नहीं बदल सकता।

वाकई ऐसा ही है, जातियों के खांचों को तोड़ने और समाज को बदलने के लिए लगातार व सामूहिक प्रयास की जरूरत है। इसमें किसी तरह के राजनीतिक या वैचारिक मतभेद को आड़े नहीं आने देना चाहिए। भारत इस समय दुनिया में एक नया मुकाम हासिल करने की तरफ बढ़ रहा है, लेकिन यह तभी संभव है जब जातियों के नाम पर एक–दूसरे से लड़ने के बजाय मिलकर काम किया जाए।

महेंद्र सिंह तंवर ने संभाला कुशीनगर डीएम का चार्ज

बोले– बुद्ध सर्किट से बनेगी जिले की अलग पहचान

डीएम महेंद्र सिंह तंवर ने कार्यभार ग्रहण किया –

गोरखपुर। पदभार ग्रहण करने के बाद उन्होंने कहा कि जिले में चल रही परियोजनाओं को समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूरा करने का प्रयास किया जाएगा। साथ ही, उन्होंने पर्यटन विकास पर भी ध्यान देने की बात कही। उन्होंने यह भी कहा कि सरकार की योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम पात्र व्यक्ति तक पहुंचाया जाएगा और महिला कल्याण, स्वास्थ्य, शिक्षा, और पोषण पर विशेष ध्यान दिया जाएगा।

कुशीनगर के नए डीएम, महेंद्र सिंह तंवर ने बृहस्पतिवार को अपना कार्यभार संभाल लिया। उन्होंने कोषागार कार्यालय जाकर अभिलेखों पर हस्ताक्षर कर कार्यभार ग्रहण किया। महेंद्र सिंह तंवर ने कोषागार कार्यालय में दस्तावेजों पर हस्ताक्षर करके कार्यभार ग्रहण किया।

इसके बाद उन्होंने अपने कार्यालय जाकर अधिकारियों से परिचय लिया और अपनी प्राथमिकताएं साझा कीं। उन्होंने कहा कि जिले में चल रही परियोजनाओं को समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूरा करने का प्रयास किया जाएगा। साथ ही, उन्होंने पर्यटन विकास पर भी ध्यान देने की बात कही।

उन्होंने यह भी कहा कि सरकार की योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम पात्र व्यक्ति तक पहुंचाया जाएगा और महिला कल्याण, स्वास्थ्य, शिक्षा, और पोषण पर विशेष ध्यान दिया जाएगा।

साथ ही उन्होंने किसानों के उत्पादों को ऑनलाइन बिक्री के माध्यम से बाजार में लाने के विकल्प पर भी विचार करने की बात कही। इसके अलावा बुद्ध सर्किट को लेकर भी उन्होंने अधिकारियों से योजना के संबंध में जानकारियां ली।

बोले बुद्ध की महापरिनिर्वाण स्थली कुशीनगर इस बुद्ध सर्किट से अपनी एक अलग पहचान बनाएगा। दरअसल, योजना के स्वीकृति के बाद से पर्यटन स्थलों के विकास के लिए पर्यटन विभाग द्वारा 61 करोड़ की लागत से कार्य कराया जा रहा है। इससे पर्यटकों को सहूलियत होगी।

पर्यटन विभाग को चाहिए कि विकास कार्यों की नई सूची पर ध्यान देने के साथ पूर्व में निर्मित परियोजनाओं को भी शुरू कराए। कुशीनगर में पर्यटन विभाग के वित्तीय वर्ष 2023–24 एवं वित्तीय वर्ष 2024–25 में स्वीकृत 61 करोड़ से पर्यटन स्थलों पर कार्य हो रहा है। जिसमें हिरण्यवती नदी के सौंदर्यीकरण के साथ बौद्ध विहारों पर पर्यटन सुविधाओं में वृद्धि के लिए कार्य किए जा रहे हैं। इसके अलावा प्रवेश मार्गों पर गेटों का निर्माण कराया जा रहा है। डीएम ने कहा शासन की योजनाओं के अनुसार इन सारी योजनाओं को समयबद्ध तरीके से पूरा कराया जाएगा।

कूड़े से बनेगा चारकोल, वेस्ट मैनेजमेंट का रोल माडल बनेगा गोरखपुर

गोरखपुर। देश में कूड़े से टॉरेफाइड चारकोल (हरित कोयला) बनाने का पहला प्लांट वाराणसी में लगा है अब दूसरा प्लांट गोरखपुर में लग रहा है। एनटीपीसी की तरफ से लगने वाले इस प्लांट के लिए नगर निगम ने अपने तरह के देश अनूठे प्रोजेक्ट इंटीग्रेटेड वेस्ट मैनेजमेंट सिटी में 15 एकड़ भूमि उपलब्ध कराई है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मंशा के अनुरूप कचरा प्रबंधन (वेस्ट मैनेजमेंट) में गोरखपुर को रोल मॉडल बनाने की तैयारी जोरों पर जारी है। इसका जिम्मा उठाया है गोरखपुर नगर निगम ने। योगी सरकार के निर्देश पर नगर निगम, सहजनवा के सुथनी में 40 एकड़ में इंटीग्रेटेड वेस्ट मैनेजमेंट सिटी बना रहा है।

इसके अंतर्गत पहले चरण में नगर निगम से एमओयू कर नेशनल थर्मल पावर कारपोरेशन (एनटीपीसी) ठोस घरेलू कचरे (सॉलिड डोमेस्टिक वेस्ट) से टॉरेफाइड चारकोल बनाने बनाएगा। एनटीपीसी ने कचरे से चारकोल प्रोडक्शन यूनिट लगाने का काम लगभग पूरा कर लिया है और वर्तमान में मशीनों के ट्रायल का दौर जारी है। देश में कूड़े से टॉरेफाइड चारकोल (हरित कोयला) बनाने का पहला प्लांट वाराणसी में लगा है अब दूसरा प्लांट गोरखपुर में लग रहा है। एनटीपीसी की तरफ से लगने वाले इस प्लांट के लिए नगर निगम ने अपने तरह के देश अनूठे प्रोजेक्ट इंटीग्रेटेड वेस्ट मैनेजमेंट सिटी में 15 एकड़ भूमि उपलब्ध कराई है।

एनटीपीसी ने वेस्ट टू चारकोल प्रोजेक्ट के लिए 255 करोड़ रुपये का निवेश किया है। प्लांट के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मौजूदगी में नगर निगम और एनटीपीसी के बीच करार 15 अक्टूबर 2023 को हुआ था। अब इस प्लांट का फेज वन बनकर लगभग तैयार है। नगर आयुक्त गौरव सिंह सोगरवाल के अनुसार इंटीग्रेटेड वेस्ट मैनेजमेंट सिटी सुथनी (सहजनवा) में एनटीपीसी का 500 टन प्रतिदिन की क्षमता के कचरे से चारकोल बनाने का प्लांट जल्द ही क्रियाशील हो जाएगा। एनटीपीसी को चारकोल बनाने के लिए जरूरी कचरा पर शिफ्ट कर दिया जाएगा। इससे स्टोरेज के लिए अधिक भूमि की जरूरत नहीं पड़ेगी। इस बीच नगर निगम की तरफ से खतरनाक घरेलू कचरा (हजार्डस डोमेस्टिक वेस्ट) के निस्तारण के लिए 5 टन प्रतिदिन की क्षमता का

उपलब्ध कराने की जिम्मेदारी नगर निगम की होगी। इसमें कोई दिक्कत भी नहीं आएगी। कारण करीब 500 टन प्रतिदिन कचरे का उत्सर्जन अकेले नगर निगम क्षेत्र में है। इसमें से 200 टन गीला कचरा प्रस्तावित बायो सीएनजी प्लांट को एवं शेष सूखा कचरा चारकोल प्लांट को जाएगा। इसके साथ ही आसपास की नगरपालिका या नगर पंचायतों जैसे खलीलाबाद नगरपालिका, सहजनवा, घघसरा, उनवल, मगहर, बांसगांव आदि नगर पंचायतों से भी निकलने वाले कूड़े को प्लांट को उपलब्ध कराया जाएगा। एनटीपीसी के चारकोल प्लांट के लगने से नगर निगम पर 25 वर्षों में आने वाले संचालन एवं अनुरक्षण हेतु टिपिंग फीस पर करीब 650 करोड़ रुपये के वित्तीय व्यय भार की बचत होगी। प्लांट से निकलने वाले चारकोल को एनटीपीसी द्वारा समय समय पर अपने पॉवर प्लांट प्लांट लगाने की भी प्रक्रिया शुरू हो गई है। इसके लिए सिविल वर्क का कार्य जारी है। इंटीग्रेटेड वेस्ट मैनेजमेंट सिटी में 10 एकड़ में बायो सीएनजी प्लांट भी स्थापित होना है। यहां लिक्विड वेस्ट की प्रोसेसिंग होगी। बायो सीएनजी प्लांट के लिए नगर निगम ने 10 एकड़ जमीन की व्यवस्था की है।

जर्मनी में सराहा जा चुका है इंटीग्रेटेड वेस्ट मैनेजमेंट सिटी का प्रेजेंटेशन

नगर निगम गोरखपुर के इंटीग्रेटेड वेस्ट मैनेजमेंट सिटी का प्रेजेंटेशन जर्मनी के बर्लिन शहर में इस माह के पहले सप्ताह में सर्कुलर इकोनॉमी की एक महत्वपूर्ण ग्लोबल बैठक में हो चुका है। इस बैठक में भारतीय प्रतिनिधिमंडल में गोरखपुर के नगर आयुक्त गौरव सिंह सोगरवाल भी शामिल हुए थे। वेस्ट मैनेजमेंट के लिए एकीकृत व्यवस्था के इस मॉडल को वहां खूब सराहना मिली।

सिर पर हथौड़ी मार पत्नी का किया कत्ल

गोरखपुर। गोरखपुर के गुलरिहा थानाक्षेत्र में एक पति ने अपनी पत्नी की जान ले ली। सुबह पति के सिर पर हथौड़े से मार कर उसकी हत्या कर दी। इस दौरान भाई पर भी हथौड़े से हमला किया था। दो महीने पहले ही दोनों की शादी हुई थी।

गुलरिहा इलाके के नारायणपुर टोला हीरागंज में बृहस्पतिवार भोर में पति ने हथौड़ी से मारकर पत्नी की हत्या कर दी। बचाने आए छोटे भाई अतीश पर भी हमला कर दिया। घटना स्थल पर सूचना पर पहुंची पुलिस ने जांच पड़ताल शुरू की। महिला की पहचान सरोज (25) के रूप में हुई। पुलिस के मुताबिक पति का नाम सतीश बताया जा रहा है। दो माह पहले ही दोनों की शादी हुई थी।

टोटल फूड फैक्ट्री मालिक पर केस दज

गोरखपुर। गीडा सेक्टर 13 में नूडल्स बनाने वाली फैक्ट्री में विस्फोट मामले में गीडा थाने में केस दर्ज कर पुलिस जांच कर रही है। मुख्य अग्नि शमन अधिकारी संतोष कुमार ने कूड़ाघाट निवासी हिमांशु मणि त्रिपाठी के विरुद्ध केस दर्ज कराया है। नूडल्स सुखाने के लिए घरेलू सिलेंडर का उपयोग किया जा रहा था। मुख्य अग्निशमन अधिकारी संतोष कुमार राय ने बताया कि बुधवार को गीडा सेक्टर 13 गीडा में टोटल फूड प्रोडक्ट फैक्ट्री में नूडल उत्पादन के दौरान घरेलू गैस सिलेंडर का लापरवाही पूर्वक इस्तेमाल किया गया।

जिससे उद्यहन के कारण गैस विस्फोट होने से फैक्ट्री में कार्य कर रहे मजदूर गंभीर रूप से झुलस गए। गम्भीर रुप से झुलसे मजदूरों का मेडिकल कालेज में इलाज चल रहा है।

गीडा सेक्टर–13 में शाम करीब पांच बजे फास्ट फूड फैक्टरी का बॉयलर फट जाने से इसमें काम कर रहे बिहार के सात मजदूर गंभीर रूप से झुलस गए थे। तेज विस्फोट की आवाज से पूरा इलाका दहल गया और चीख पुकार मच गई थी। आसपास के लोगों ने घायलों को सीएचसी पिपरौली पहुंचाया, जहां से डॉक्टरों ने सभी को मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया। घायलों को मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है, इनमें दो की हालत गंभीर बताई जा रही है। जानकारी के मुताबिक, गीडा सेक्टर–13 में प्लॉट नंबर डी–20 में हिमांशु मणि त्रिपाठी की टोटल फास्ट फूड प्रोडक्ट लिमिटेड नाम से फैक्टरी है। यहां गत्ता, पत्तल के साथ ही जूनियर नाम से नूडल्स बनाया जाता है। फैक्टरी में ठेकेदार के जरिये मजदूरों से काम लिया जाता है। बुधवार की शाम को फैक्टरी में काम चल रहा था। इसी बीच तेज विस्फोट हुआ जिससे अंदर चहारदीवारी और टिनशेड भरभराकर गिरने लगा। काम करने वाले मजदूर चीखने लगे थे।

गोरखपुर में सनसनीखेज वारदात युवक और युवती के मिले अर्धनग्न शव, पास में मिला ये सामान

गोरखपुर में गुरुवार सुबह चिउटहा पुल के पास युवक और युवती के शव मिले हैं। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी है।

गोरखपुर। उत्तर प्रदेश के गोरखपुर जिले में एक युवक और एक युवती की लाश मिली हैं। दोनों के शव अर्धनग्न थे। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। युवती के पास जहरीले पदार्थ की शीशी मिली है। जानकारी के अनुसार, गोरखपुर के चिलुआताल थाना इलाके के जंगल कौड़िया समीप चिउटहा पुल के पास गुरुवार सुबह 24 वर्षीय युवक विश्वनाथ सिंह और युवती नीतू की संदिग्ध परिस्थितियों में लाश मिलने से सनसनी फैल गई। लड़के के पर्स और लड़की के पास मिले आधार कार्ड, पेन कार्ड से पहचान हुई। शव अकड़ गए थे। कहीं–कहीं हलके खरोंच के निशान थे। ग्रामीणों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने जांच शुरू की और फॉरेंसिक टीम ने मौके का मुआयना कर साक्ष्य जुटाए।

पुलिस के अनुसार, सुबह करीब आठ बजे गोरखपुर–सोनौली मार्ग पर चिउटहा पुल के पास दोनों के शव मिले। मृतक नीतू (निवासी कुंजलगढ़, थाना कैंपियरगंज) अर्धनग्न अवस्था में थीं, उनके पास सल्फास की बोतल, पानी की बोतलें, मैरून हैंडबैग, घड़ी, नथिया और दुपट्टा मिला। मृतक विश्वनाथ सिंह (निवासी बजहा, थाना कैंपियरगंज) का शव केवल अंडरवियर और भगवा तौलिया में था, पास में नीला जींस और बेल्ट पड़ी थी। दोनों शव 100 मीटर की दूरी पर थे, बीच में एक एक्टिवा स्कूटर (यूपी 42 डी 2645) और उसकी चाबी मिली।

मृतक के भाई बृजेश सिंह ने बताया कि विश्वनाथ दो दिन पहले स्कूटी लेकर गोरखपुर गया था। दोनों का चार साल से प्रेम संबंध था। नीतू की शादी होकर तलाक हो चुका था, और वह गोरखपुर में रहती थीं, जबकि विश्वनाथ दिल्ली में एक हॉस्पिटल में काम करता था। विश्वनाथ पिछले कुछ दिनों से आत्महत्या की धमकी दे रहा था।

क्षेत्राधिकारी कैंपियरगंज गौरव त्रिपाठी ने बताया बुधवार को नीतू के लापता होने की रिपोर्ट कैंपियरगंज थाने में दर्ज हुई थी। एसपी नॉर्थ जितेंद्र कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि प्रथम दृष्टया मामला आत्महत्या प्रतीत होता है, क्योंकि शवों के पास सल्फास की बोतलें मिलीं। पंचनामा के बाद शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। पुलिस और फॉरेंसिक टीम हर पहलू की जांच कर रही है। आगे की कार्रवाई जारी है।

एक और बड़ा खुलासा पाकिस्तान से मिली आतंकियों को ट्रेनिंग

पहलगाम में हुए आतंकी हमले में बड़ा खुलासा हुआ है। आतंकियों का कनेक्शन पाकिस्तान से है। शुरुआती जांच में सामने आया है कि इन आतंकियों ने पाकिस्तान में प्रशिक्षण प्राप्त किया था। स्थानीय दहशतगर्दों की मदद से पर्यटकों पर हमले को अंजाम दिया था। हमले के बाद आतंकी पीर पंजाल के घने जंगलों में गायब हो गए। आतंकियों की तलाश में सुरक्षा एजेंसियां ड्रोन और हेलीकॉप्टर से लगे हैं। अभी तक आतंकियों का कुछ पता नहीं चल पाया है। हमले के बाद जम्मू–कश्मीर से लेकर दिल्ली तक अलर्ट है। वहीं हमले में मारे गए लोगों के शवों को उनके घरों तक पहुंचाया जा रहा है। हमले का देशभर में विरोध हो रहा है।

'पाकिस्तान से इस्राइल जैसा बदला ले भारत' माइकल रुबिन

पहलगाम में हुए आतंकी हमले को लेकर न सिर्फ भारत बल्कि पूरी दुनिया में गुस्सा है। सभी पहलगाम के बायसरन में हुए आतंकी हमले की निंदा कर रहे हैं। इस बीच, पेंटागन के पूर्व अधिकारी ने इस हमले को लेकर सीधे तौर पर पाकिस्तान के सेना प्रमुख असीम मुनीर के उस भाषण को जिम्मेदार ठहराया है जिसमें उन्होंने कहा था श्कश्मीर पर हमारा रुख एकदम साफ है, यह हमारी गर्दन की नस थी, यह हमारी गर्दन की नस रहेगी। हम इसे नहीं भूलेंगे। हम अपने कश्मीरी भाइयों को उनके संघर्ष में नहीं छोड़ेंगे। पेंटागन के पूर्व अधिकारी माइकल रुबिन ने कहा कि इस हमले के बाद साफ है कि भारत को पाकिस्तान की गर्दन काटने की जरूरत है। इसमें कोई शक या संदेह नहीं होना चाहिए।

कश्मीर घाटी में 35 वर्ष में पहली बार इतना बड़ा शटर डाउन

रेलवे स्टेशनों, बस अड्डों, एयरपोर्ट पर एलर्ट, सुरक्षा बढ़ी जांचा गया यात्रियों का सामान

पहलगाम(जम्मू–कश्मीर) में आतंकी हमले के बाद लखनऊ के रेलवे स्टेशनों, बस अड्डों व अमौसी एयरपोर्ट पर सुरक्षा बढ़ा दी गई है। हाईएलर्ट जारी कर यात्रियों से अपील की गई है कि जांच में सहयोग करें।

भारत की डिजिटल स्ट्राइक

पाकिस्तान सरकार का आफिशियल X अकाउंट सस्पेंड

नई दिल्ली। *भारत और पाकिस्तान में बढ़ते तनाव के बीच पाकिस्तानी सरकार के आधिकारिक एक्स अकाउंट को भारत में सस्पेंड कर दिया है। इस एक्शन को डिजिटल स्ट्राइक के रूप में माना जा रहा है। 22 अप्रैल को पहलगाम में आतंकवादियों ने 26 लोगों की गोली मारकर हत्या कर दी जिनमें से अधिकतर पर्यटक थे। अनंतनाग जिले के बैसरन मैदानी क्षेत्र में हुए इस क्रूर हमले में कई लोग घायल हो गए। बता दें, 22 अप्रैल को पहलगाम में आतंकवादियों ने 26 लोगों की गोली मारकर हत्या कर दी, जिनमें से अधिकतर पर्यटक थे। अनंतनाग जिले के बैसरन मैदानी क्षेत्र में हुए इस क्रूर हमले में कई लोग घायल हो गए और पूरे देश में हड़कंप मच गया। हमले के बाद भारत ने सीमा पार आतंकवाद को समर्थन देने के लिए पाकिस्तान के खिलाफ कड़े कदम उठाए।*

भारत में पाकिस्तान का 'X' अकाउंट बंद

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की मौजूदगी में हुई सीसीएस की बैठक में भारत ने 1960 की सिंधु जल संधि को तब तक स्थगित रखने का फैसला किया जब तक पाकिस्तान सीमा पार आतंकवाद को अपना समर्थन देने से पूरी तरह से मना नहीं कर देता।

भारत ने क्या–क्या एक्शन लिया

भारत ने अटारी चेक पोस्ट को तत्काल प्रभाव से बंद करने का भी फैसला किया है। इसके अलावा, देश ने सार्क वीजा छूट योजना के तहत जारी किए गए सभी वीजा को रद करने का फैसला किया है और पाकिस्तान को 48 घंटे के भीतर देश छोड़ने का आदेश दिया है। भारत ने पाकिस्तानी उच्चायोग में रक्षाधसैन्य, नौसेना और वायु सलाहकारों को अवांछित घोषित कर दिया है और उन्हें एक सप्ताह के भीतर भारत छोड़ने का आदेश दिया है। सुरक्षा उपाय के रूप में, भारत ने इस्लामाबाद में भारतीय उच्चायोग से अपने रक्षा, नौसेना और वायु सलाहकारों को वापस बुलाने का फैसला किया है।

पहलगाम हमले के बाद भारत लगातार ले रहा एक्शन

जम्मू कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद भारत लगातार कड़े एक्शन ले रहा है, चाहे अटारी बॉर्डर बंद करने का आदेश हो या फिर सिंधु नदी का पानी रोकने का फैसला, भारत सरकार लगातार पाकिस्तान पर दबाव बना रही है। इस बीच भारत ने एक और बड़ा एक्शन लिया है। भारत और पाकिस्तान में बढ़ते तनाव के बीच पाकिस्तानी सरकार के आधिकारिक एक्स अकाउंट को भारत में सस्पेंड कर दिया है। इस एक्शन को डिजिटल स्ट्राइक के रूप में माना जा रहा है।

पहलगाम हमले के बाद अमेरिका ने जारी की एडवाइजरी

जम्मू–कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले में मारे गए लोगों के परिजनों के साथ–साथ पूरे देश में आक्रोश है। केंद्र सरकार ने मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए आज सर्वदलीय बैठक बुलाई है। राज्यों में मृतकों की पार्थिव देह पहुंच रही है। वहां उनके अंतिम संस्कार कराए जा रहे हैं।

यूपी– शुभम की पत्नी सीएम योगी से बोली– कड़ा बदला चाहिए

मां रो–रोकर बेसुध हो जा रही है। वह बीच–बीच में चीख पड़ती हैं। कहती हैं– आतंकियों को कड़ी से कड़ी सजा दी जाए।

पहलगाम आतंकी हमले में शहीद हुए शुभम द्विवेदी को श्रद्धांजलि देने के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ उनके गांव पहुंचे। उन्होंने कहा कि आतंकवादियों ने जैसा किया है वैसा ही उन्हें उत्तर दिया जाएगा।

लखनऊ। *पहलगाम आतंकी हमले में मारे गए कानपुर के शुभम द्विवेदी का अंतिम संस्कार किया गया। जैसे ही घर से ज्योढ़ी घाट के लिए शव यात्रा निकली। पत्नी चीख पड़ीं। पत्नी ने 2 दिन से अपने पति की शर्ट पहन रखी थी। उन्होंने वह शर्ट उतारी। उसे सीने से लगाया, फिर फूट–फूटकर रोने लगीं।*

यह देखकर वहां मौजूद लोगों की आंखें नम हो गईं। पत्नी एशान्या लगातार अपने पति की फोटो देख रही हैं और बार–बार उस पर हाथ फेर रही हैं। मां रो–रोकर बेसुध हो जा रही है। वह बीच–बीच में चीख पड़ती हैं। कहती हैं– आतंकियों को कड़ी से कड़ी सजा दी जाए। तड़पा–तड़पा कर उन्हें मारा जाए।

इससे पहले, सीएम योगी ने शुभम को श्रद्धांजलि दी और घरवालों से बातचीत कर उन्हें ढांढस बंधाया। इस दौरान शुभम की पत्नी ने मुख्यमंत्री से कहा– आतंकियों ने मेरे सामने ही मेरे पति को गोली मारी। योगी जी हमें कड़ा बदला चाहिए। आप इसका बदला लो। यह कहते हुए वह रोने लगीं। सीएम योगी ने कहा– यह हमला ताबूत पर आखिरी कील होगा।

पत्नी एशान्या ने रोते हुए आतंकी हमले की आंखोंदेखी सुनाई। उन्होंने कहा– मैं और शुभम मैगी खाने जा रहे थे। इसी दौरान एक आदमी पीछे से आया। उसने बंदूक साइड में रखकर शुभम से पूछा–हिंदू हो या मुसलमान? फिर कहा– अगर मुसलमान हो तो पहले कलमा पढ़कर दिखाओ।

मैंने हंसते हुए उससे पूछा– क्या हुआ भइया?' तब उसने मुझसे भी पूछा– हिंदू हो या मुसलमान? मैंने कहा– हिंदू हूं। इसके बाद उसने मेरे पति को गोली मार दी। पहले शुभम को मारा, फिर बाकी लोगों को भी गोली मार दी।

पिता संजय द्विवेदी ने कहा– दो टके के आतंकवादी भारत सरकार को चुनौती देकर चले गए। सरकार को अब सख्त कार्रवाई करनी चाहिए। बुधवार रात 11:30 बजे शुभम का शव फ्लाइट से लखनऊ लाया गया। अमौसी एयरपोर्ट पर डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने उन्हें श्रद्धांजलि दी। इस दौरान शुभम के पिता संजय द्विवेदी डिप्टी सीएम से लिपटकर रो पड़े। डिप्टी सीएम ने उन्हें ढांढस बंधाया। लखनऊ एयरपोर्ट से कानपुर तक ग्रीन कॉरिडोर बनाकर शव को शुभम के पैतृक गांव हाथीपुर पहुंचाया गया। यहां एंबुलेंस से शव उतारते वक्त मंत्री राकेश सचान और योगेंद्र उपाध्याय ने शुभम के पार्थिव शरीर को कंधा दिया।

पारा 40 डिग्री पार

उत्तर प्रदेश में भीषण गर्मी जारी है। प्रयागराज और वाराणसी में तापमान 43 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया है। लखनऊ झांसी गोरखपुर बहराइच और सुलतानपुर में भी पारा 40 डिग्री के पार है। मौसम विभाग ने आगामी 23 और 24 अप्रैल को पूर्वी उत्तर प्रदेश के कई जिलों में लू चलने की चेतावनी दी है। इसमें प्रतापगढ़ चंदौली वाराणसी जौनपुर आजमगढ़ बलिया मऊ रायबरेली और सुलतानपुर जैसे जिले हैं।

संवाददाता, लखनऊ। *झांसी, गोरखपुर, बहराइच, और सुलतानपुर में भी पारा 40 डिग्री के पार रहा। भी चिलचिलाती धूप ने लोगों को बेहाल कर दिया। रात में भी राहत नहीं मिल रही है। प्रयागराज और वाराणसी में तापमान 43 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया, जबकि लखनऊ में लगातार दूसरे दिन पारा 41 डिग्री से ऊपर पहुंचा। इसी प्रकार झांसी, गोरखपुर, बहराइच, और सुलतानपुर में भी पारा 40 डिग्री के पार रहा। बलिया, गाजीपुर, फतेहगढ़ और कानपुर जैसे शहरों में न्यूनतम तापमान ज्यादा होने की वजह से लोगों को गर्म रातों का सामना करना पड़ा। मौसम विज्ञान केंद्र की रिपोर्ट के अनुसार, आगामी 23 और 24 अप्रैल को प्रदेश के कई जिलों में लू जैसी स्थिति बनी रहेगी। खासतौर पर पूर्वी उत्तर प्रदेश के प्रतापगढ़, चंदौली, वाराणसी, जौनपुर, आजमगढ़, बलिया, मऊ, रायबरेली और सुलतानपुर जैसे जिलों में लू चल सकती है। इन इलाकों में रात का तापमान भी बढ़ने की संभावना है, जिससे गर्मी और ज्यादा महसूस होगी।*

आगरा शहर में मंगलवार को दिनभर लू चलती रही। गर्मी से हाल बेहाल रहा। घर से बाहर निकलने पर पसीने से सराबोर हो उठे। शहरवासियों को अभी इस स्थिति से राहत नहीं मिलेगी।

मौसम विभाग ने अगले तीन दिन भी लू चलने का पूर्वानुमान जताया है। शहर में सोमवार रात मौसम में बदलाव देखने को मिला था। हवा चलने से ठंडक का अहसास हुआ था। न्यूनतम तापमान में भी गिरावट आई। मंगलवार सुबह से धूप निकली। सुबह 10 बजे से ही धूप चुभने लगी। दोपहर 12 से चार बजे के मध्य तेज धूप की वजह से घर से बाहर निकलना मुश्किल हो गया।

आवश्यक काम होने पर ही लोग घर से बाहर निकले। अधिकतम तापमान 42.3 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 21.1 डिग्री सेल्सियस रहा।

लखनऊ में जलकर खाक हुई 150 झुग्गी–झोपड़ियां

जल गया गृहस्थी का सामान, समय पर नहीं पहुंच सका दमकल विभाग

कनौसी के ओशो नगर में लगी भीषण आग

संवाददाता लखनऊ। *बिजली विभाग की लापरवाही से मंगलवार की देर रात कनौसी के ओशो नगर में खाली प्लाट पर बसी डेढ़ सौ झुग्गी झोपड़ियां जलकर खाक हो गई। किसी के जान माल का कोई नुकसान नहीं हुआ, लेकिन झुग्गी में रहने वाले परिवारों का पूरा सामान जलकर खाक हो गया। केसरी खेड़ा ओवरब्रिज के निर्माण की वजह से फायर ब्रिगेड की गाड़ियां भी समय पर नहीं पहुंच सकी। जब तक पहुंचती तब तक सब कुछ खाक हो चुका था। दो दर्जन से अधिक गाड़ियां आग बुझाने में लगी रहीं। बुधवार को सुबह 10रू30 बजे तक आग बुझाने का कार्य चलता रहा।*

यह है पूरा घटनाक्रम

रात के करीब एक बजे थे, हम सभी लोग घर में सो रहे थे तभी अचानक धमाके की आवाज आई घर के सामने देखा तो आग की लपटें उठ रही थी। छज्जे की ओर बढ़े लेकिन धुएं और आग की लपटों से निकल नहीं पाए। पीछे के रास्ते मुश्किल से सीढियों घर के बाहर निकले। फायर ब्रिगेड को फोन किया फायर ब्रिगेड आती इससे पहले ही सब कुछ जल चुका था। मेरी वाशिंग मशीन गमले घर अन्य सामान के अलावा पूरा घर जल गया। कनौसी के ओशो नगर में लगी आग की दास्तान बताती शशि बाला रो पड़ती हैं। कैमरे के आगे कुछ भी बोलने से बचने वाली वह अकेली नहीं ऐसे आधा दर्जन लोग हैं। सामान जलाकर खाक हो गया। वह अपनी जली वाशिंग मशीन दिखा रही थीं।

उनका कहना था की रामबाबू ने हम लोग को प्लाटिंग की थी और उन्हीं के खाली प्लाटों में करीब डेढ़ सौ झुग्गी झोपड़ी वाले रहते हैं। पहले भी कई बार आग लग चुकी है, लेकिन कोई सुनवाई नहीं होती।

घर के अंदर धुआं–धुआं

हरिराम राम वशिष्ठ के घर की टाइल्स आग से गिर गई। घर के बाहर बने गोदाम में रखा सामान जलकर खाक हो गया। पीछे के दरवाजे से निकलकर मुश्किल से सभी ने अपनी जान बचाई। पूरे घर के अंदर धुआं–धुआं हो चुका था। पास में रहने वाले राहुल यादव ने बताया कि मुझे नौ साल हो गए रहते हुए इसके पहले से ही यहां झुग्गियां हैं। पहले भी कई बार आग लगी लेकिन हल्की होने के कारण ज्यादा नुकसान नहीं हुआ।

चार ठेकेदारों ने बसाई झुग्गी–झोपड़ियां

मायाराम आशु सुभाष और संजीव यह चार ठेकेदार हैं, जिनकी शह पर यहां डेढ़ सौ से अधिक झुग्गी झोपड़ियां बसी हैं। पुलिस की मिलीभगत से यहां कूड़ा बीनने वाले रहते हैं। खाली प्लाट रामबाबू का है, जिसे यहां प्लाटिंग करके ओशो नगर और बालाजी नगर बसाया।

> **लखनऊ के कनौसी के ओशो नगर में मंगलवार देर रात भीषण आग लगने से 150 झुग्गी झोपड़ियां जलकर खाक हो गईं। आग लगने के कारणों का अभी तक पता नहीं चल पाया है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि बिजली विभाग की लापरवाही के कारण यह हादसा हुआ है। आग इतनी भयंकर थी कि फायर ब्रिगेड की गाड़ियां भी समय पर नहीं पहुंच सकीं।**

निवासियों ने बताया कि उनसे यह मोटी रकम वसूलते हैं। प्लाट देते समय डिग्री कालेज खोलने की बात कही थी, लेकिन कोई सुविधा भी नहीं मिली और हम लोग आग के मुहाने पर बसे हुए हैं।

राख में तलाशते गृहस्थी का सामान

आग का धुआं जैसे–जैसे शांत हो रहा था झुग्गी झोपड़ी में रहने वाले बच्चे गृहस्थी के सामान की तलाश में जुट गए थे उनके पास न तो कोई कपड़ा बचा न कोई खाने का सामान, सब कुछ आग में जलकर खाक हो गया। झुग्गी में रहने वाले अशरफ अली ने बताया कि तीन दिन पहले भी हल्की आग लगी थी लेकिन हम लोगों ने इसे बुझा दिया बिजली के तारों से अक्सर प्लास्टिक टपका करता है, लेकिन बिजली विभाग में ध्यान नहीं दिया रात में करीब एक बजे हल्की चिंगारी के साथ ही आग लगी और देखते ही देखते सब कुछ खाक हो गया। फायर ब्रिगेड पहुंचती इससे पहले ही सब कुछ जल चुका था। मोहम्मद लाल मियां ने बताया की शरीर पर जो कपड़ा है बस वही बचा है, क्योंकि पहले जान बचाना जरूरी था। पैसा, अनाज सब कुछ जल गया। सोने के लिए बिस्तर तक नहीं बचा।

प्रतापगढ़ के तीन सितारों ने बढ़ाई अपनी चमक

रोशन हो गया गांव–परिवार

अन्नपूर्णा के माता–पिता की मौत के बाद भाई ने की देखरेख
अधिवक्ता सुरेंद्र शर्मा के बेटे ने भी बढ़ाया जनपद का मान

प्रतापगढ़ के तीन युवाओं ने यूपीएससी की सिविल सेवा परीक्षा 2024 में सफलता हासिल की है। अन्नपूर्णा मिश्रा ने 994वीं रैंक हासिल की है। सौम्य शर्मा ने 218वीं रैंक हासिल की है। प्रतीक मिश्र ने 234वीं रैंक हासिल कर भारतीय प्रशासनिक सेवा में चयनित हुए। ये युवा अपनी मेहनत और लगन से सफलता के शिखर पर पहुंचे हैं और अपने परिवार और गांव का नाम रोशन किया है।

संवाददाता, प्रतापगढ़। *संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) की सिविल सेवा परीक्षा–2024 का मंगलवार को परिणाम घोषित होने पर जनपद का भी गौरव बढ़ गया। एसडीएम के पूर्व पेशकार रहे गुलाब चंद्र मिश्र की बेटी अन्नपूर्णा मिश्रा, अधिवक्ता सुरेंद्र शर्मा के बेटे सौम्य शर्मा और पीजी कॉलेज कालाकांकर के पूर्व प्रवक्ता के भतीजे प्रतीक मिश्र का चयन इसमें हुआ है। युवाओं की सफलता से परिवार के लोग गदगद हैं। उनके घर बधाई देने वालों का तांता लगा है।*

सदर विकास खंड के जहनईपुर निवासी स्व. गुलाब चंद्र मिश्र एसडीएम के पेशकार थे। वर्ष 2018 में उनका निधन हो गया था। उनकी पत्नी वंदना की भी मौत हो गई थी। मंगलवार को सिविल सेवा परीक्षा 2024 का परिणाम आया तो गुलाब की बेटी अन्नपूर्णा मिश्रा 994वीं रैंक के साथ सफलता मिली।

अन्नपूर्णा ने नर्सरी केजी से 12वीं तक की पढ़ाई प्रभात एकेडमी से की थी। प्रयागराज से बीटेक किया। इसके बाद हैदराबाद में उसका चयन भारत सरकार के इंटेलिजेंस विभाग में हो गया। इस समय वह वहीं ट्रेनिंग कर रही हैं।

ताज की खूबसूरती पर फिदा हुए अमेरिकी उप राष्ट्रपति

अमेरिकी उप राष्ट्रपति जेडी वेंस ने पत्नी और बच्चों के साथ ताजमहल का दीदार किया। वे करीब डेढ़ घंटे तक परिवार के साथ ताजमहल परिसर में रहे।

आगरा। अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस पत्नी उषा और बच्चों के साथ ताजमहल का दीदार किया। करीब डेढ़ घंटे तक परिवार के साथ जेडी वेंस ने मोहब्बत की इमारत का दीदार किया। इस दौरान उन्होंने विजिटल बुक में लिखा कि ताजमहल वास्तव में अद्भुत है। ताजमहल परिसर में पहुंचते ही अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस के चेहरे पर अलग ही मुस्कान दिखाई दी। मानो वो ताज की खूबसूरती को शब्दों में बयां नहीं कर पा रहे थे। पत्नी और बच्चों के साथ इस दौरान उन्होंने फोटो खिंचाए। खेरिया हवाई अड्डे पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने फूलों का गुलदस्ता भेंट कर उनका स्वागत किया। अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस पत्नी उषा और बच्चों के साथ खेरिया हवाई अड्डे तय समय पर पहुंचे। यहां से ताजमहल तक उपराष्ट्रपति के रूट पर सुरक्षा के चाक चौबंद इंतजाम किए गए थे। सांस्कृतिक आयोजनों के लिए मंच भी सजाए गए थे। मगर, जम्मू कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद शोक में सांस्कृतिक आयोजन नहीं किए गए। उपराष्ट्रपति का काफिला जब एयरपोर्ट से निकला, तो बच्चों ने भारत और अमेरिका के झंडे दिखाकर अभिवादन किया।

पहली बार भारत यात्रा पर आए अमेरिकी उप राष्ट्रपति जेडी वेंस को राज्य अतिथि का दर्जा दिया गया है। इसलिए मुख्यमंत्री योगी ने स्वयं एयरपोर्ट पर उनका स्वागत व सत्कार किया। बता दें अमेरिकी सुरक्षा एजेंसियों ने तीन दिन से आगरा में डेरा डाला हुआ है। एयरपोर्ट से शिल्पग्राम होते हुए ताजमहल तक करीब 12 किमी. सड़क पर कड़ी सुरक्षा रखी गई है।

अमेरिकी उप राष्ट्रपति परिवार संग पहुंचे ताजमहल – फोटो – संवाद न्यूज एजेंसी

UPSC सिविल सर्विस का फाइनल रिजल्ट जारी

प्रयागराज की शक्ति दुबे टसपर, टाप 5 में 3 लड़कियां, मेरिट में 1009 कैंडिडेट्स

—लखनऊ,संवाददाता

*UPSC ने सिविल सर्विस एग्जाम 2024 का फाइनल रिजल्ट जारी कर दिया है। प्रयागराज की शक्ति दुबे ऑल इंडिया टॉपर बनी हैं। कुल 1009 कैंडिडेट्स का नाम मेरिट लिस्ट में शामिल है। मेरिट लिस्ट ऑफिशियल वेबसाइट **upsc-gov-in** पर रिलीज की गई है।*

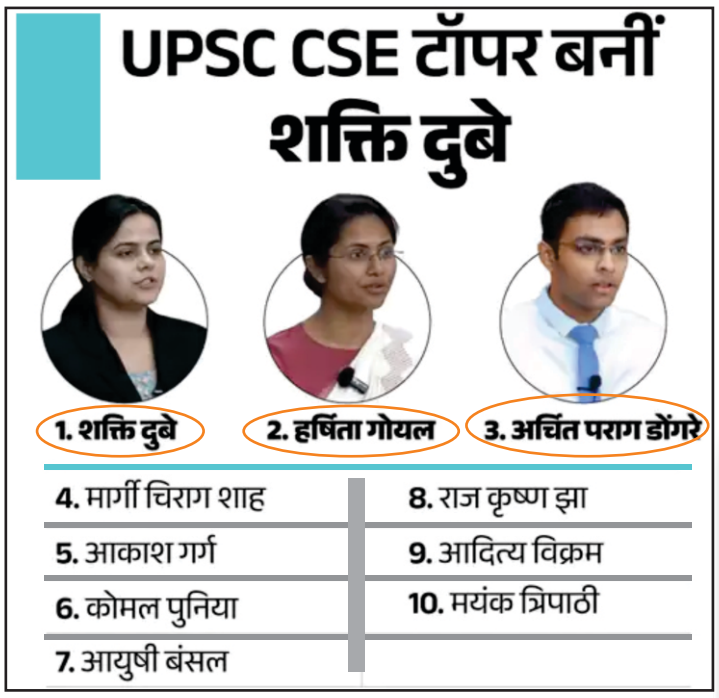

रैंक 1 – शक्ति दुबे

यूपी के प्रयागराज की शक्ति दुबे ऑल इंडिया टॉपर बनी हैं। शक्ति ने इलाहाबाद यूनिवर्सिटी से बायोकेमिस्ट्री में ग्रेजुएशन किया है। परीक्षा में पॉलिटिकल साइंस और इंटरनेशनल रिलेशंस उसके ऑप्शनल सब्जेक्ट थे।

रैंक 2 – हर्षिता गोयल

*नंबर 2 पर हर्षिता गोयल रही हैं। हर्षिता शाह मूल रूप से हरियाणा की हैं और कई वर्षों से गुजरात के वडोदरा में रह रही हैं। हर्षिता का जन्म हरियाणा में हुआ। इसके बाद परिवार गुजरात के वडोदरा आ गया। यहीं वो बड़ी हुईं। क्वालिफिकेशन से वो एक **CA** हैं। हर्षिता थैलेसीमिया और कैंसर से पीड़ित बच्चों के लिए अहमदाबाद के बीलीफ फाउंडेशन के साथ काम कर चुकी हैं।*

रैंक 3 – अर्चित पराग डोंगरे

अर्चित ने वीआईटी, वेल्लोर से इलेक्ट्रिकल और इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग में बैचलर ऑफ टेक्नोलॉजी (बी.टेक) की डिग्री ली है। उनका एक ऑप्शनल सब्जेक्ट फिलॉसफी (दर्शनशास्त्र) था।

रैंक 4 –मार्गी चिराग शाह

गुजरात टेक्नोलॉजिकल यूनिवर्सिटी, अहमदाबाद से कंप्यूटर इंजीनियरिंग में बैचलर ऑफ इंजीनियरिंग की डिग्री प्राप्त शाह मार्गी चिराग ने समाजशास्त्र को वैकल्पिक विषय के रूप में लेकर चौथा स्थान हासिल किया है।

रैंक 5 – आकाश गर्ग

कंप्यूटर विज्ञान में बैचलर ऑफ टेक्नोलॉजी की डिग्री रखने वाले और गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय, दिल्ली से इंजीनियरिंग करने वाले आकाश गर्ग को वैकल्पिक विषय के रूप में समाजशास्त्र के साथ पांचवां स्थान मिला है।

रैंक 6 – कोमल पूनिया

कोमल उत्तर प्रदेश के सहारनपुर की रहने वाली हैं। इंटरमीडिएट परीक्षा में 97: मार्क्स हासिल कर जिले में टॉप किया था। इसके बाद उन्होंने प्प्स रुड़की से ठ.ज्मबी. किया है।

रैंक 7 – आयुषी बंसल

*आयुषी ने **UPSC 2023** में 97वीं और 2022 में 188वीं रैंक हासिल की थी। इनका जन्म मध्य प्रदेश के ग्वालियर में हुआ है। मां और पिता दोनों **LIC** में काम करते थे। 10 साल की उम्र में, जब वे 5वीं क्लास में थीं उनके पिता का निधन हो गया था। **IIT** की प्रिपरेशन के लिए वो दिल्ली आ गईं। यहां मैकेंजी एंड कंपनी में काम किया। 2022 में जॉब क्विट करके **UPSC CSE** प्रिपरेशन शुरू की।*

रैंक 8 – राज कृष्ण झा

राज कृष्ण झा बिहार के सीतामढ़ी के रहने वाले हैं। उनकी स्कूलिंग नेपाल के जापा डिस्ट्रिक्ट से हुई। बिहार बोर्ड से 12वीं की पढ़ाई के बाद मोतीलाल नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी से मेकैनिकल इंजीनियरिंग में ठ.ज्मबी किया। फिर साल 2018 में हिंदुस्तान पेट्रोलियम जॉइन किया। अभी कोल्हापुर में कार्यरत थे।

रैंक 9 – आदित्य विक्रम अग्रवाल आदित्य हरियाणा के बहादुरगढ़ के रहने वाले हैं। उन्होंने छप्ज् इलाहाबाद से मेकैनिकल इंजीनियरिंग में ठ.ज्मबी. किया है। न्छै में एंथ्रोपॉलॉजी को मेन्स का ऑप्शनल सब्जेक्ट रखा था।

रैंक 10 – मयंक त्रिपाठी

*मयंक यूपी के कन्नोज से हैं। मयंक ने अपने पहले अटेम्प्ट में 337 रैंक हासिल की थी। इस बार अपने दूसरे अटेम्प्ट में उन्हें 10वीं रैंक मिली है। इससे पहले उनका चयन **UP PCS** के तहत वैच के पद पर हुआ था। उनके पिता कलेक्टरेट में प्रधान सहायक हैं।*

परीक्षा के लिए 9,92,599 उम्मीदवारों ने किया आवेदन

पिछले साल 16 जून 2024 को सिविल सेवा (प्रिलिमनरी) परीक्षा थी. इस परीक्षा के लिए कुल 9,92,599 उम्मीदवारों ने आवेदन किया था, जिनमें से 5,83,213 उम्मीदवार परीक्षा में उपस्थित हुए. कुल 14 हजार 627 लोग लिखित (मेन) परीक्षा के लिए पास हुए, जो सितंबर 2024 में हुई थी. इनमें से 2 हजार 845 लोग इंटरव्यू के लिए पास हुए. जानकारी के लिए बता दें कि सिविल सेवा परीक्षा हर साल तीन चरणों में होती है – प्रिलिमनरी परीक्षा, मेन और इंटरव्यू. यह परीक्षा यूपीएससी कराता है ताकि इंडियन एडमिनिस्ट्रेटिव सर्विस, इंडियन फॉरेन सर्विस और इंडियन पुलिस सर्विस जैसे अधिकारियों को चुना जा सके।

इस संस्था पर तो हर दिन हमला हो रहा, लेकिन...

सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस सूर्यकांत ने कहा कि संस्थान सुप्रीम कोर्ट पर हर दिन हमले होते रहते हैं। हमें इसकी चिंता नहीं है। न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने राष्ट्रपति और राज्यपालों के लिए विधेयकों को मंजूरी देने की समयसीमा तय करने के सर्वोच्च न्यायालय के ऐतिहासिक फैसले के बाद शुरू हुए कटाक्षों के मामले पर कहा है। कुछ दिनों पहले उपराष्ट्रपति धनखड़ ने SC की कार्यवाही पर टिप्पणी की थी।

लखनऊ / नई दिल्ली। *हाल ही में सुप्रीम कोर्ट की कार्यवाही को लेकर भाजपा सांसद निशिकांत दुबे और उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने टिप्पणी की थी। हालांकि, उपराष्ट्रपति धनखड़ ने आज स्पष्ट किया की संसद ही सुप्रीम है। उसके ऊपर कोई अथॉरिटी नहीं है।*

इसी बीच सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस सूर्यकांत ने कहा कि संस्थान (सुप्रीम कोर्ट) पर हर दिन हमले होते रहते हैं। हमें इसकी चिंता नहीं है। न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने राष्ट्रपति और राज्यपालों के लिए विधेयकों को मंजूरी देने की समयसीमा तय करने के सर्वोच्च न्यायालय के ऐतिहासिक फैसले के बाद शुरू हुए कटाक्षों के मामले पर कहा है। कर्नाटक में न्यायालय की अवमानना के एक मामले की सुनवाई के दौरान न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने ऐसा कहा।

उपराष्ट्रपति ने SC को लेकर क्या कहा था?

हाल ही में धनखड़ ने सुप्रीम कोर्ट को संविधान के अनुच्छेद 142 से मिली शक्ति को श्न्यूक्लियर मिसाइलश करार दिया था। धनखड़ ने कोर्ट को लेकर कहा था, हम ऐसी स्थिति नहीं ला सकते, जहां राष्ट्रपति को निर्देश दिया जाए। संविधान के तहत सुप्रीम कोर्ट का अधिकार केवल अनुच्छेद 145(3) के तहत संविधान की व्याख्या करना है।

भाजपा सांसद ने की थी CJI पर टिप्पणी

वहीं, सुप्रीम कोर्ट ने वक्फ कानून के खिलाफ चल रही सुनवाई के दौरान, कानून के कई अहम प्रावधानों पर अगली सुनवाई तक रोक लगा दी थी, जिस पर भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने चिंता जाहिर करते हुए टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि देश में धार्मिक युद्ध भड़काने के लिए सुप्रीम कोर्ट जिम्मेदार है। सुप्रीम कोर्ट अपनी सीमा से बाहर जा रहा है। अगर हर बात के लिए सुप्रीम कोर्ट जाना है, तो संसद और विधानसभा का कोई मतलब नहीं है– इन्हें बंद कर देना चाहिए।

10 सालों में कितना बढ़ा है सोने का दाम

नई दिल्ली। *22 अप्रैल एमसीएक्स (पर सोने का दाम 98 हजार के पार पहुंच चुका है। वहीं 3 फीसदी टैक्स या जीएसटी लगाकर सोने का दाम 1 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम पहुंच गया है। अभी तक (दोपहर 3.03 बजे) 24 कैरेट सोने की कीमत 98,550 रुपये प्रति 10 ग्राम पहुंचकर रिकॉर्ड हाई बनाया है।*

पिछले कुछ दिनों से सोने के दाम में लगातार इजाफा हुआ है। कल यानी 21 अप्रैल को 24 कैरेट सोने का भाव 96,000 प्रति 10 ग्राम के आसपास चल रहा था। कल से लेकर अब तक एमसीएक्स पर सोने के भाव में लगभग 2000 रुपये प्रति 10 ग्राम की बढ़त दर्ज की गई है।

वहीं पिछले साल दिसंबर 2024 से अब तक सोने के भाव में 20 हजार रुपये की बढ़ोतरी हुई है। सोने के दाम में हर साल हजारों रुपये की बढ़ोतरी दर्ज की जाती है। भारत में सोना सिर्फ निवेश का जरिया नहीं है, बल्कि इससे लोगों की भावनाएं भी जुड़ी होती है।

एक दशक में कितना पहुंचा सोने का भाव

अगर 2015 की बात की जाए तो उस समय 24 कैरेट सोने का भाव 26,343 रुपये प्रति 10 ग्राम चल रहा था। हालांकि आज 10 सालों बाद सोने का दाम 1 लाख रुपये पहुंच चुका है। जो साफ तौर पर बढ़ती महंगाई को दर्शाता है।

2015 से 2020 तक ही बात करें तो इन 5 सालों में सोने के दाम में 23,798 रुपये का इजाफा हुआ है। इसके साथ ही पिछले 5 सालों की ही तुलना की जाए तो 2020 से अब तक 48,409 रुपये की बढ़ोतरी आई है। वहीं पिछले एक दशक में यानी 2015 से 2025 अब तक सोने का भाव 71,657 रुपये प्रति 10 ग्राम बढ़ा है।

अभी क्यों बढ़ रहे हैं सोने के दाम?

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने टैरिफ में अभी रोक लगाई हैं। टैरिफ का अर्थ हुआ कि अब अमेरिका में निर्यात करने के लिए भारत को टैरिफ कै रूप में टैक्स देना होगा। हालांकि अभी इसमें 90 दिन की रोक लगाई गई है। इस रोक में चीन शामिल नहीं है। जिसके चलते चीन और अमेरिका के बीच चिंताएं बढ़ने लगी है। दोनों ने एक–दूसरे पर 125 फीसदी टैरिफ लगाने की घोषणा की है। इसके साथ ही उत्सव या त्योहार के समय सोना का भाव बढ़ता है। क्योंकि इसकी डिमांड भी बढ़ जाती है।

22 अप्रैल 24 कैरेट सोने की कीमत 1 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम पहुंच गई है। ये कीमत टैक्स सहित है। पिछले कुछ दिनों से सोने के दाम में लगातार इजाफा जारी है। जिसका कारण चीन और अमेरिका के बीच चल रहे विवाद को बताया जा रहा है। आज हम जानेंगे कि पिछले 10 साल यानी 2015 से 2025 तक सोने के दाम में कितना इजाफा आया है।

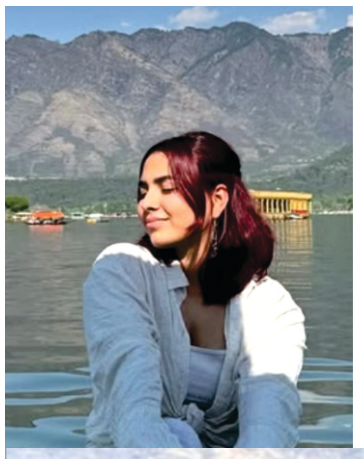

जहां आतंकी हमला हुआ दो दिन पहले वहीं थी अनुराग-इम्तियाज की बेटियां,

पर्दे परशाह बानो का किरदार निभाएंगी

पर्दे पर एक और दमदार कहानी के साथ वापसी करने वाली हैं। इस बार अभिनेत्री दर्शकों के देश के एक ऐसे केस की झलक दिखाएंगी जिसके लिए एक महिला ने करीब 7 साल कानूनी लड़ाई लड़ी थी। एक्ट्रेस शाह बानो केस को सिल्वर स्क्रीन पर जिंदा करने वाली हैं। बताया जा रहा है कि फिल्म का पहला शेड्यूल भी पूरा हो गया है।

ट्रिपल तलाक की कहानी दिखाएंगी यामी
इमरान हाशमी निभाएंगे मूवी में अहम किरदार
टीम ने पूरा किया मूवी का पहला शेड्यूल

एंटरटेनमेंट डेस्क। बॉलीवुड की टैलेंटेड एक्ट्रेस यामी गौतम और इमरान हाशमी एक साथ एक पावरफुल कोर्टरूम ड्रामा में नजर आने वाले हैं। यह फिल्म साल 1985 में सुप्रीम कोर्ट में हुए ऐतिहासिक शाह बानो बनाम मोहम्मद अहमद खान केस पर आधारित है, जिसने देश में मुस्लिम महिलाओं के अधिकारों को लेकर एक नई बहस छेड़ दी थी। इस केस की 40वीं वर्षगांठ पर इस फिल्म की घोषणा की गई है, जिसमें यामी गौतम लीड रोल में नजर आएंगी।

शाह बानो के किरदार में यामी गौतम

इस फिल्म में यामी गौतम शाह बानो का किरदार निभा रही हैंकृएक ऐसी महिला, जिसने अपने हक की लड़ाई सुप्रीम कोर्ट तक लड़ी। फिल्म की कहानी मुस्लिम महिलाओं के अधिकार, तलाक के बाद गुजारा भत्ता, और सामाजिक अन्याय के खिलाफ उठती एक आवाज को दर्शाएगी। यामी इस रोल में एक दमदार महिला के रूप में दिखेंगी, जो पर्सनल लॉ और संविधान के टकराव के बीच खुद के लिए इंसाफ मांगती है।

इमरान हाशमी निभाएंगे अहमद खान का रोल

खबरों के मुताबिक, यामी गौतम के पति के किरदार यानी मोहम्मद अहमद खान की भूमिका में इमरान हाशमी नजर आएंगे। इस केस में अहमद खान ने अपनी पत्नी को ट्रिपल तलाक देकर छोड़ दिया था और फिर गुजारा भत्ता देने से इनकार कर दिया था। रिपोर्ट्स के अनुसार फिल्म का पहला शूटिंग शेड्यूल पूरा हो चुका है और यह 1970 के दशक के बैकड्रॉप में सेट की गई है।

दोनों एक्टर्स का वर्कफ्रंट

यामी गौतम को हाल ही में फिल्म 'आर्टिकल 370' में देखा गया था, जिसमें उनकी परफॉर्मेंस को क्रिटिक्स और ऑडियंस दोनों ने सराहा। वहीं इमरान हाशमी इस समय अपनी फिल्म 'ग्राउंड जीरो' के प्रमोशन्स में व्यस्त हैं, जिसमें वो बीएसएफ ऑफिसर के रोल में नजर आएंगे। इसके अलावा वह सलमान खान की 'टाइगर 3' में भी नजर आ चुके हैं।

शाह बानो केस के बारे में..

1978 में 62 वर्षीय शाह बानो को उनके पति ने ट्रिपल तलाक दे दिया था। इसके बाद उन्होंने भत्ता पाने के लिए कोर्ट का रुख किया। 1985 में सुप्रीम कोर्ट ने उनके पक्ष में फैसला सुनाते हुए कहा कि धारा 125 सीआरपीसी सभी धर्मों पर समान रूप से लागू होती है। यह फैसला महिलाओं के अधिकारों की दिशा में एक मील का पत्थर साबित हुआ था।

कहां से की अभिनय की शुरुआत?

अनीत पड्डा ने काजोल, विशाल जेठवा और प्रियामणि की 'सलाम वेंकी' से अपने अभिनय की शुरुआत की। साल 2022 में रिलीज होने वाली इस फिल्म में अनीत ने नंदिनी की भूमिका निभाई थी। साल 2024 में, उन्होंने नित्या मेहरा की वेब सीरीज बिग 'गर्ल्स डोंट क्राई' में अभिनय किया, जहां उन्होंने रूही आहूजा की भूमिका निभाई।

मोहित सूरी की 'सैयारा' में चंकी पांडे के भतीजे के साथ आएंगी नजर

एंटरटेनमेंट डेस्क। *मोहित सूरी की आगामी रोमांटिक ड्रामा फिल्म 'सैयारा' में लीड फीमेल एक्टर के तौर पर अनीत पड्डा नजर आएंगी। वह चंकी पांडे के भतीजे अहान पांडे के साथ इस फिल्म में कास्ट हुई हैं। मोहित सूरी की आगामी रोमांटिक ड्रामा फिल्म 'सैयारा' के रिलीज डेट और इसके लीड एक्टर्स की आधिकारिक घोषणा हुई। यशराज फिल्म्स के बैनर तले बनी इस फिल्म में चंकी पांडे के भाई चिक्की पांडे के बेटे अहान पांडे और अनीत पड्डा लीड भूमिका में नजर आएंगे। सभी की निगाहें अहान और अनीत पर टिकी हैं। जानते हैं आखिर कौन हैं अनीत पड्डा?*

सोशल मीडिया पर मौजूदगी

22 साल की अनीत सोशल मीडिया पर बहुत ज्यादा सक्रिय नहीं रहती हैं। हालांकि, वह अपने काम से जुड़े अपडेट लगातार साझा करती रहती हैं। इंस्टाग्राम पर उनके 36.3ज्ञ फॉलोअर्स हैं।

कब रिलीज होगी 'सैयारा'?

मोहित सूरी की रोमांटिक ड्रामा फिल्म 'सैयारा' को लेकर काफी लंबे समय से चर्चा चल रही थी। फिल्म के लीड एक्टर को लेकर तरह–तरह की अटकलें भी लगाई जा रही थीं। हालांकि, आधिकारिक रूप से इसकी बहुत कम अपडेट सामने आई थी। 22 अप्रैल को इसके निर्माताओं ने मुख्य इसके रिलीज की घोषणा की। रोमांटिक फिल्में पसंद करने वालों को इसके लिए ज्यादा इंतजार नहीं करना पड़ेगा। फिल्म 18 जुलाई, 2025 को दुनियाभर के सिनेमाघरों में रिलीज होगी। श्आशिकी 2श, श्हमारी अधूरी कहानीश और हाफ गर्लफ्रेंड जैसी रोमांटिक फिल्मों के लिए जाने जाते हैं। आखिरी बार उन्होंने 'एक विलेन रिटर्न्स' का निर्देशन किया था।

क्रिकेट फैंस ने दी बधाई

पूर्व क्रिकेटरों ने भी सोशल मीडिया पर पोस्ट कर दी शुभकामनाएं

स्पोर्ट्स डेस्क। सचिन तेंदुलकर के 52वें जन्मदिन पर, ट्विटर पर क्रिकेट प्रेमियों और उनके प्रशंसकों ने उन्हें ढेर सारी शुभकामनाएं दीं। उन्होंने सचिन को क्रिकेट के भगवान और मास्टर ब्लास्टर जैसी उपाधियों से सम्मानित किया और उनकी शानदार करियर की सराहना की।

सचिन तेंदुलकर का जन्म 24 अप्रैल 1973 को बॉम्बे (अब मुंबई) में हुआ था। उन्होंने 1989 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में डेब्यू किया और 2013 में रिटायर हो गए। उन्होंने 200 टेस्ट मैच खेले और कुल 663 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले। उनके नाम 100 अंतरराष्ट्रीय शतक और 34,347 रन (वनडे और टेस्ट) हैं। आज वह 52 साल के हो गए।

क्रिकेट के भगवान कहे जाने वाले सचिन तेंदुलकर 52 साल के हो गए। दुनियाभर के क्रिकेट प्रशंसकों ने सचिन को उनके जन्मदिन की बधाई दी है। भारत रत्न सचिन तेंदुलकर क्रिकेट की एक किताब हैं। सचिन तेंदुलकर का जन्म 24 अप्रैल 1973 को बॉम्बे (अब मुंबई) में हुआ था। उन्होंने 1989 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में डेब्यू किया और 2013 में रिटायर हो गए।

पाकिस्तान के साथ कोई द्विपक्षीय सीरीज नहीं

पहलगाम आतंकी हमले के बाद बीसीसीआई ने दिया कड़ा संदेश
राजीव शुक्ला ने कहा कि पाकिस्तान के साथ कोई द्विपक्षीय सीरीज नहीं खेली जाएगी
भारत–पाकिस्तान ने आखिरी बार 2012–13 में द्विपक्षीय सीरीज खेली थी

स्पोर्ट्स डेस्क, नई दिल्ली। कश्मीर के पहलगाम में आतंकी हमले के बाद भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने कठोर संदेश दिया है। बता दें कि पहलगाम आतंकी हमले में 26 नागरिकों की जान गई।

बीसीसीआई उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला ने कहा कि भारत किसी भी प्रकार से पाकिस्तान के साथ द्विपक्षीय सीरीज नहीं खेलेगा। भारत और पाकिस्तान ने आखिरी बार 2012–13 में द्विपक्षीय सीरीज खेली थी। तब पाकिस्तान की टीम सीमित ओवर सीरीज के लिए भारत दौरे पर आई थी।

भारतीय टीम ने 2008 में आखिरी बार पाकिस्तान का दौरा किया था। तब टीम इंडिया ने एशिया कप में हिस्सा लिया था। वैसे, भारतीय टीम ने 2005–06 के बाद द्विपक्षीय सीरीज के लिए पाकिस्तान का दौरा नहीं किया।

राजीव शुक्ला ने क्या कहा

अब तक आतंकी हमले के कारण कश्मीर में शांति भंग हुई, जिससे स्थानीय लोग और पर्यटकों में डर भर गया, तो शुक्ला ने कहा, हम पाकिस्तान के साथ द्विपक्षीय सीरीज नहीं खेलेंगे। हम पीड़ितों के साथ हैं और आतंकी हमले की हम निंदा करते हैं। हमारी सरकार जो भी कहेगी, हम वो ही करेंगे।

भारत ने पाकिस्तान के खिलाफ आखिरी बार 2012–13 में द्विपक्षीय सीरीज खेली थी। तब पाकिस्तान की टीम सीमित ओवर सीरीज खेलने के लिए भारत आई थी। भारत ने 2008 में आखिरी बार भारत का दौरा किया था जब उन्होंने एशिया कप में हिस्सा लिया था। हालांकि 2005–06 के बाद भारत ने द्विपक्षीय सीरीज के लिए पाकिस्तान का दौरा नहीं किया।

उन्होंने स्पोर्ट्स तक से बातचीत में कहा, हम पाकिस्तान के साथ द्विपक्षीय सीरीज नहीं खेलेंगे क्योंकि सरकार का निर्देश है। हम आगे भी पाकिस्तान के साथ द्विपक्षीय सीरीज नहीं खेलेंगे। मगर जब आईसीसी इवेंट होगा तो खेलेंगे क्योंकि आईसीसी की बात है। आईसीसी भी जानता है कि जो कुछ हुआ, वो उन्होंने किया है।

बीसीसीआई सचिव ने दुख जताया

बीसीसीआई सचिव देवजीत साइकिया ने मासूम पर्यटकों पर आतंकी हमले पर दुख जाहिर किया है।

महिलाओं में स्मृति मंधाना को मिला यह खिताब
वेस्टइंडीज के पूरन टी-20 में बेस्ट क्रिकेटर

बुमराह बने विजडन क्रिकेटर आफ द ईयर

पूरन ने 2024 में टी–20 में142 की स्ट्राइक से 464 रन बनाएं निकोलस पूरन को लीडिंग टी 20 प्लेयर का अवॉर्ड मिला। उन्होंने साल 2024 में 21 मैच खेलते हुए 464 रन बनाए और इस दौरान उनका औसत 25 और स्ट्राइक रेट 142 का रहा। पूरन मौजूदा समय में प्स में शानदार परफॉर्मेंस कर रहे हैं। उन्होंने अब तक 8 मैच खेलते हुए लखनऊ के लिए 368 रन बना लिए हैं।

दिल्ली। भारतीय स्टार पेसर जसप्रीत बुमराह और महिला क्रिकेटर स्मृति मंधाना को विजडन क्रिकेटर्स अल्मनैक 2025 से सम्मानित किया गया है। बुमराह को पुरुष क्रिकेटर का और मंधाना को वुमन कैटेगरी में सर्वश्रेष्ठ क्रिकेटर घोषित किया गया है। वहीं बेस्ट टी–20 क्रिकेटर का सम्मान वेस्टइंडीज के विकेटकीपर निकोलस पूरन को दिया गया है। 1889 से दिया जा रहा है यह अवॉर्ड विजडन क्रिकेटर ऑफ द ईयर अवॉर्ड क्रिकेट का सबसे पुराना इंडिविजुअल अवॉर्ड है। 1889 से हर साल यह लिस्ट विजडन जारी कर रहा है,जिसका सिलेक्शन पिछले सीजन में परफॉर्मेंस के आधार पर किया जाता है। कोई भी खिलाड़ी एक बार से ज्यादा बार यह अवॉर्ड नहीं जीत सकता है।

बुमराह को बताया स्टार ऑफ द ईयर बुमराह को विजडन के संपादक लॉरेंथ बूथ ने स्टार ऑफ द ईयर बताया। बुमराह ने पिछले साल टेस्ट क्रिकेट में 20 से कम औसत से 200 विकेट लेने वाले इतिहास के पहले टेस्ट गेंदबाज बनें। बुमराह ने अब तक 45 टेस्ट मैच में 19.40 की औसत से 204 विकेट ले चुके हैं। वहीं जून में वेस्टइंडीज और अमेरिका में हुए टी–20 वर्ल्ड कप में भारत की जीत में अहम भूमिका निभाई थी। बॉर्डर–गावस्कर ट्रॉफी में बुमराह ने अकेले ही 13.06 की औसत से 32 विकेट चटकाए थे। बूथ ने बुमराह को सभी समय का सबसे महान खिलाड़ी माने जाने का दावा भी किया।

मंधाना ने 2024 में सभी फॉर्मेट में 1600 से ज्याद रन बनाए स्मृति मंधाना को विजडन ने दुनिया की बेस्ट महिला खिलाड़ी माना है। उन्होंने 2024 में सभी फॉर्मेट में 1659 रन बनाएं, जो कि अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के एक कैलेंडर वर्ष में किसी महिला खिलाड़ी की ओर से बनाए गए सबसे अधिक रन हैं। इसमें वनडे में चार शतक भी शामिल हैं। वहीं मंधाना ने पिछले साल जून में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दस विकेट की जीत में दूसरा टेस्ट शतक (149) लगाया था।

वर्ष के पांच क्रिकेटर में सरे के तीन खिलाड़ी इस बार विजडन के वर्ष के पांच क्रिकेटर में सरे काउंटी के तीन खिलाड़ी गस एटकिन्सन, जेमी स्मिथ और डैन वारल को शामिल किया है। इनके अलावा हैम्पशायर के लियाम डासन और इंग्लैंड की खिलाड़ी सोफी एक्लेस्टोन को भी इस प्रतिष्ठित सम्मान से नवाजा गया है। मिचेल सैंटनर को सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन का सम्मान न्यूजीलैंड के गेंदबाज मिचेल सैंटनर को सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन का सम्मान दिया गया है। उन्हें यह सम्मान पिछले साल भारत के खिलाफ पुणे टेस्ट में 13 विकेट लेने के लिए मिला। न्यूजीलैंड ने तीन टेस्ट मैचों की सीरीज को 3–0 से अपने नाम कर लिया था। टीम इंडिया का दिसंबर 2012 के बाद से पहली घरेलू सीरीज हार थी।

जसप्रीत बुमराह
इंटरनेशनल करियर

फॉर्मेट	मैच	विकेट	इकोनॉमी
टेस्ट	45	205	2.76
वनडे	89	149	4.59
टी-20I	70	297	6.27

दी नेक्स्ट पोस्ट
स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक बृजेन्द्र कुमार द्वारा फाइन ऑफसेट प्रिन्टर्स मदरसा हुसैनिया बिल्डिंग बक्सीपुर गोरखपुर से मुद्रित एवं 665 बी गंगा टोला, निकट जानकी बिल्डिंग मैटेरियल बसारतपुर पश्चिमी, गोरखपुर से प्रकाशित। पिनः– 273003
Tital code: UPHIN51019

बृजेन्द्र कुमार
मो0. नं0. 7307180148,9170772370
Email- thenextpost01@gmail.com

नोटः- समाचार पत्र से सम्बन्धित सभी वाद-विवाद गोरखपुर जिला न्यायालय के अन्तर्गत मान्य होगे।